संपादकीय

डॉ. भीमराव अंबेडकर : एक अप्रतिम राष्ट्र निर्माता

पूरा देश डॉ. अंबेडकर की 130वीं जयंती मना रहा है। एक राष्ट्रवादी व्यक्ति त्व जिसके विचारों से राष्ट्र निर्माण के अभियान में शामिल होने के लिए हर नागरिक को एक अदम्य भावना और प्रेरणा मिलती है। वैसे, उनकी भूमिका मुख्य रूप से एक समाज सुधारक, भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष और राष्ट्र के पहले कानून मंत्री के रूप में जानी जाती है। हालांकि उन्होंने एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री, सक्रिय राजनीतिज्ञ, प्रख्यात वकील, श्रमिक नेता, महान सांसद, उच्चकोटि के विद्वान, मानव विज्ञानी, प्रोफेसर और एक अच्छे वक्ता आदि के रूप में भी काम किया। अब, चूंकि भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ को यादगार बनाने के लिए आजादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत हुई है। ऐसे में बहुआयामी डॉ. अंबेडकर के विचारों की गंभीरता को समझना, एक राष्ट्र निर्माता के रूप में उनकी भूमिका और किए गए कार्यों, सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने के साथ ही न्याय संगत समाज और सशक्त राष्ट्र बनाने में उनके योगदान का जिक्र अनिवार्य हो जाता है।

डॉ. अंबेडकर ने संस्थानों को खड़ा करने में अग्रणी भूमिका निभाई लेकिन इतिहास के पन्नों में उन्हें उचित स्थान नहीं मिला। देश के केंद्रीय बैंक यानी भारतीय रिजर्व बैंक का गठन हिल्टन यंग कमिशन की सिफारिशों के आधार पर किया गया, जिसने डॉ. अंबेडकर की पुस्तक %रुपये की समस्या- उद्भव और समाधान% में सुझाए गए दिशानिर्देशों से मदद ली थी। 1942 से 1946 तक वायसराय की कार्यकारी परिषद में लेबर मेंबर (श्रम मंत्री) के रूप में, उन्होंने राष्ट्रहित में पानी, बिजली और श्रम कल्याण के क्षेत्र में कई नीतियां तैयार कीं। उनकी दूरदर्शिता ने केंद्रीय जलमार्ग, सिंचाई और नौचालन आयोग (सीडब्लूआईएनसी) के रूप में केंद्रीय जल आयोग की स्थापना, केंद्रीय तकनीकी बिजली बोर्ड, नदी घाटी प्राधिकरण (जिसने दामोदर नदी घाटी परियोजना, सोन नदी घाटी परियोजना, महानदी (हीराकुंड परियोजना), कोसी और चंबल नदी पर अन्य और दक्क न क्षेत्र की नदियों पर परियोजनाओं पर सक्रियता से काम किया) की स्थापना के जरिए एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन की स्थापना में मदद की। अंतर-राज्यीय जल विवाद अधिनियम 1956 और नदी बोर्ड अधिनियम 1956 उनके सुनियोजित दृष्टिकोण का ही परिणाम है। डॉ. अंबेडकर हर मंच पर दलित वर्ग की एक सशक्त आवाज थे। गोलमेज सम्मेलन में उनके प्रतिनिधि के रूप में, उन्होंने क्रूर जमींदारों के चंगुल से किसानों और श्रमिकों को आजाद करा उनकी स्थिति सुधारने पर जोर दिया। 1937 में बॉम्बे असेंबली के पूना सत्र के दौरान, उन्होंने कोंकण में भूमि की खोती प्रथा को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पेश किया। बॉम्बे में 1938 में काउंसिल हाल तक ऐतिहासिक किसान मार्च ने उन्हें किसानों, श्रमिकों और भूमिहीनों का लोकप्रिय नेता बना दिया। वह देश के पहले जनप्रतिनिधि थे, जिसने जोतदारों की दासता को समाप्त करने के लिए विधेयक पेश किया था। %भारत में छोटी जोत और उसके उपाय% (1918) शीर्षक वाले उनके लेख ने भारत की कृषि समस्या के जवाब के रूप में औद्योगिकीकरण का प्रस्ताव दिया, जो समकालीन आर्थिक बहसों में आज भी प्रासंगिक है।

बॉम्बे असेंबली के सदस्य के रूप में, श्रमिकों की आवाज बने डॉ. अंबेडकर ने औद्योगिक विवाद विधेयक 1937 का जमकर विरोध किया क्योंकि इसने श्रमिकों के हड़ताल करने के अधिकार को खत्म कर दिया था। लेबर मेंबर के रूप में, उन्होंने 'काम करने की बेहतर स्थिति' के बजाय %श्रमिक के जीवन की बेहतर स्थिति% की वकालत की और सरकार की श्रम नीति की मूल संरचना तैयार की। उनके प्रयासों के कारण ही प्रगतिशील श्रम कल्याणकारी उपाय किए गए और उन्हें सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया गया। उन्होंने काम के घंटे को घटाकर 48 घंटे प्रति सप्ताह करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, कोयला खदानों में भूमिगत काम पर महिलाओं के रोजगार पर प्रतिबंध हटा, ओवरटाइम और पेड लीव का प्रावधान जोड़ा गया, न्यूनतम मजदूरी का निर्धारण और संरक्षण, लैंगिक भेदभाव किए बिना समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत को स्थान मिला, मातृत्व लाभ सुनिश्चित किया और ट्रेड यूनियनों को स्वीकार करते हुए श्रम कल्याण निधि का गठन हुआ। इन सभी प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, डॉ. अंबेडकर ने कम्युनिस्ट मजदूर आंदोलनों और उनकी देश से बाहर वफादारी और उत्पादन के सभी साधनों को नियंत्रित करने के उनके मार्क्सवादी दृष्टिकोण का खुलकर विरोध किया। *-अर्जुन राम मेघवाल*

माइक्रोसॉफ्ट ने नोएडा में देश का सबसे बड़ा सेंटर बनाने का फैसला लिया , 3500 लोगों को मिलेगा रोजगार

नईदिल्ली । दुनिया की सबसे नामी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट इंडिया देश का सबसे बड़ा सेंटर नोएडा में बनाएगी। कंपनी 3500 से अधिक लोगों को रोजगार देगी। नोएडा प्राधिकरण ने कंपनी को 60 हजार वर्ग मीटर जमीन आवंटित की है। अभी तक कंपनी का हैदराबाद के गाची बावली में सबसे बड़ा ऑफिस है। कंपनी ने प्राधिकरण के समक्ष दावा किया है कि तय समय यानि पांच साल से पहले ही यहां पर शुरुआत कर दी जाएगी ताकि एनसीआर में रहने वाले लोगों को इसका फायदा

मिल सके।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-145 स्थित भूखंड संख्या ए-01 व ए-02 में जमीन आवंटित की है। आंवटित की गई जमीन का कुल प्रीमियम 103 करोड़ 66 लाख रुपये है। यह जमीन आईटी-आईटीईएस के उपयोग के लिए दी गई है। नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी राजेश सिंह ने बताया कि कंपनी के आने से एनसीआर क्षेत्र में निवेश एवं रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। कंपनी की यह भारत में सबसे बड़ी परियोजना होगी। इससे न केवल नोएडा बल्कि पूरा एनसीआर क्षेत्र सॉफ्टवेयर हब के रूप में विकसित होगा।

ओएसडी ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट कंपनी के नोएडा में आने से सॉफ्टवेयर क्षेत्र की अन्य कंपनियां भी नोएडा की तरफ आर्कषित होंगी। अधिकारियों ने बताया कि योजना की शर्तों के तहत कंपनी को 30 अप्रैल तक 40 प्रतिशत आवंटन धनराशि जमा कराते हुए रजिस्ट्री की प्रक्रिया करानी होगी। बाकी 60 प्रतिशत राशि 8 छमाही किश्तों में देनी होगी। परियोजना का निर्माण पांच साल में पूरा करना होगा हालांकि कंपनी ने दावा किया है तय समय से पहले ही कंपनी यहां काम की शुरुआत कर देगी।

कंपनियों को जो प्लॉट दिए जा रहे हैं वह सेक्टर-145 में दिए जा रहे हैं। इसके पास ही नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे है। ऐसे में लोग यहां आसानी से पहुंच सकेंगे। एक्सप्रेस-वे के जरिए ग्रेटर नोएडा, दिल्ली व यमुना एक्सप्रेस-वे के जरिए कम समय में गंतव्य को जा सकेंगे।माइक्रोसॉफ्ट का नोएडा में आना यहां के लिए बड़ी उपलब्धि होगी, लेकिन इससे पहले भी देश की कई नामी कंपनियों के यहां पर ऑफिस हैं। इनमें लाखों लोग काम कर रहे हैं। इनमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टीसीएस, इंफोसिस, एडोब, एनआईआईटी टेक्नोलॉजीज समेत कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं। नोएडा में अधिकतर सॉफ्टवेयर से जुड़ी कंपनियां पिछले करीब 10 साल में यहां आई हैं।

2020-21 में इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में 12 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली

नईदिल्ली । मार्च में समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2020-21 में भारत के इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 12 फीसदी का इजाफा आया है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में इनडायरेक्ट टैक्स का कनेक्शन 9.54 लाख करोड़ रुपये हुआ था। जबकि बीते वित्तीय वर्ष में 10.71 लाख करोड़ रुपये का टोटल कलेक्शन हुआ है। वित्तीय वर्ष 2019-20 के मुकाबले 12 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जो कि संशोधित अनुमान से अधिक है। वित्त मंत्रालय ने कहा, 'वित्तीय वर्ष 2020-21 में नेट इनडायरेक्ट टैक्स कलेक्शन का संशोधित लक्ष्य हासिल कर लिया गया।' लेकिन यह उछाल नॉन-जीएसटी रेवन्यू में ही आया है।

विकास दर पर फिर बेकाबू कोरोना का साया, मांग में कमी से औद्योगिक उत्पादन पर असर दिखने की आशंका

नईदिल्ली । औद्योगिक उत्पादन और जीडीपी में अहम योगदान रखने वाले राज्यों में कोरोना संक्रमण की बेकाबू गति से विकास दर के फिर प्रभावित होने की आशंका मजबूत हो रही है। एचडीएफसी बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल-जून, 2021 के लिए 19.5 फीसद विकास दर का अनुमान लगाया था, जो मौजूदा हालात में हासिल होना मुश्किल सा दिख रहा है।

उद्योग संगठन भी कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए अब पहली तिमाही की विकास दर पर असर पड़ने की बात कहने लगे हैं।वैश्विक वित्तीय फर्म नोमुरा ने गत सोमवार को चालू वित्त वर्ष 2021-22 की जीडीपी दर में घटाते हुए 12.6 फीसद कर दिया है। पहले नोमुरा ने वित्त वर्ष 2021-22 में 13.5 फीसद की विकास दर का अनुमान लगाया था, जिसे इसी सप्ताह सोमवार को घटाकर 12.6 फीसद कर दिया गया है। देश के औद्योगिक उत्पादन और जीडीपी में कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों की 30 फीसद से अधिक हिस्सेदारी है। इनमें मुख्य रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, दिल्ली व हरियाणा शामिल हैं। देश के औद्योगिक उत्पादन में अकेले महाराष्ट्र का योगदान 13 फीसद का है।

बीआईएस ने छोटे उद्योगों के लिए की न्यूनतम चिन्हांक शुल्क में 50 फीसदी कटौती

नईदिल्ली । भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने छोटे सूक्ष्म उद्योग और स्टार्टअप व महिला उद्यमियों के लिए न्यूनतम चिन्हांकन (मार्कि ग) शुल्क में 50 फीसदी की कटौती है। उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव लीना नंदन ने यहां एक वर्चुअल प्रेसवार्ता के दौरान बीआईएस की विभिन्न पहलों की जानकारी दी। इस मौके पर मौजूद बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने बताया कि छोटे सूक्ष्म उद्योग और स्टार्टअप व महिला उद्यमियों के लिए न्यूनतम चिन्हांकन (मार्कि

ग) शुल्क में 50 फीसदी की कटौती की गई है और इसमें पुराने लाइसेंसधारकों को 10 फीसदी अतिरिक्त छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि हितधारकों के लिए नियमों का अनुपालन सुगम बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

मसलन, प्रमाणन की पूरी प्रक्रिया स्वचालित हो गई है, जिसमें लाइसेंस प्रदान करना, लाइसेंस का नवीनीकरण करना आदि सब कुछ अब मानक ऑनलाइन पोर्टल ई-बीआईएस के जरिए स्वचालित हो गया है, जिससे तय समयसीमा के भीतर यह काम होने लगा है।

उन्होंने बताया कि इस सरलीकृत प्रक्रिया के तहत 80 फीसदी से अधिक उत्पाद आ गए हैं और इन उत्पादों के विनिर्माण के लिए एक महीने के भीतर लाइसेंस जारी करना संभव हो गया है। उन्होंने बताया कि बीआईएस के इन पहलों से 90 फीसदी से ज्यादा आवेदनों का निपटान तय समयसीमा के बीच किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास लगभग 21000 भारतीय मानक हैं। इसका मकसद देश की अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं के लिए विभिन्न उत्पादों बेहतर मानक तय करना है।

उद्योगों, एमएसएमई क्षेत्र के लाभ के लिए भारतीय मानक अब निःशुल्क उपलब्ध हैं और ई-बीआईएस के मानक-पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के 2021 में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज करने की संभावना : मूडीज

नईदिल्ली । कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर से भारत के वृद्धि पूर्वानुमान के लिए खतरा पैदा हो गया है। रेटिंग एजेंसी मूडीज के मुताबिक पिछले साल के निम्न स्तर को देखते हुए जीडीपी वृद्धि दर दोहरे अंक में रह सकती है। मूडीज ने कहा कि वायरस का प्रकोप बढ़ने से आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ेगा। मूडीज ने उम्मीद जताई कि संक्रमण की मौजूदा लहर से निपटने के लिए एक देशव्यापी लॉकडाउन के विपरीत छोटे-छोटे कटेंटमेंट जोन पर जोर दिया जाएगा, जिससे 2020 के मुकाबले आर्थिक गतिविधियां कम प्रभावित होंगी। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने कहा कि भारत में की वजह से कम मृत्यु दर (12 अप्रैल तक 1,70,179 मौतें दर्ज की गई हैं) और अपेक्षाकृत युवा आबादी भी इस जोखिम को कम करने में मदद करती है। 2020 में आर्थिक गतिविधियों के निचले स्तर को देखते हुए जीडीपी के अभी भी दो अंकों में बढ़ने की संभावना है। मूडीज ने कहा कि संक्रमण की दूसरी लहर से आर्थिक सुधार को लेकर कुछ जोखिम पैदा हुए हैं, लेकिन लक्षित रोकथाम के उपायों और तेजी से टीकाकरण से नकारात्मक असर कम होगा।

नेटफ्लिक्स की 'बाहुबली' में वामिका गाबी ने मृणाल ठाकुर को किया रिप्लेस, निभाएंगी शिवगामी का किरदार

मल्टीप्लेक्स में धूम मचाने वाली फिल्म 'बाहुबली' पर नेटफ्लिक्स एक वेब सीरीज बना रही है. जिसका नाम 'बाहुबलीः बिफोर द बिगनिंग' है. ये सीरीज तैयार होने से पहले ही काफी सुर्खियों में हैं. पिछले कुछ समय पहले जहां इसकी शूटिंग में 100 करोड़ रुपए के बर्बाद होने की खबर सामने आई थी. वहीं अब पता चला है कि शो में शिवगामिनी के किरदार के लिए फाइनल की गई एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर को हटा दिया गया है. उन्हें वामिका गाबी ने रिप्लेस किया है.

सूत्रों के मुताबिक सीरीज की करीब 70 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी थी. जिसमें लगभग 100 करोड़ रुपए भी खर्च हो गए. मगर नेटफ्लिक्स को ये पसंद नहीं आई और रिजेक्ट कर दिया. ऐसे में पूरे शो को दोबारा से शूट करने को कहा गया. इसके लिए बजट भी दोगुना कर 200 करोड़ कर दिया है. इसके अलावा कास्ट में भी बदलाव किए गए है. चूंकि शिवगामी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मृणाल के पास दोबारा शूटिंग के लिए वक्त नहीं है. ऐसे में उन्हें रिप्लेस करने के लिए पंजाबी एक्ट्रेस वामिका गाबी को चुना गया है. वामिका को इससे पहले जब वी मेट, मौसम और लव आज कल जैसी फिल्मों में देखा गया था.

अभी तक दर्शकों ने फिल्म 'बाहुबलीः द बिगनिंग' और 'बाहुबलीः द कन्क्लूजन' देखा है. मगर नेटफ्लिक्स ने 'बाहुबलीः बिफोर द बिगनिंग' दिखाने का मन बनाया है. मतलब इसमें बाहुबली द बिगनिंग से पहले के किस्सों को दर्शाया जाएगा. ये एक तरह का प्रीचेल होगा. दर्शकों में सीरीज को लेकर क्रेज बना रहे है इसलिए इसे दिलचस्प तरीके से बनाए जाने की कोशिश की जा रही है.

ऋतिक रोशन ने विक्रम वेद्या के रीमेक के लिए कसी कमर

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर फिल्म विक्रम वेद्या का जल्द ही हिंदी में रीमेक बनने वाला है। फिल्म के रीमेक को लेकर पिछले काफी समय से चर्चा हो रही है और अलग-अलग तरह की खबरें भी सामने आ रही है। खबरों के अनुसार ऐसा कहा जा रहा है कि फिल्म के मेकर्स जल्द ही विक्रम वेद्या के रीमेक की शूटिंग भी शुरू करने की तैयारी में है। आपको बता दें कि फिल्म के लिए मेकर्स ने बॉलीवुड के हैंडसम हंक ऋ तिक रोशन के साथ हाथ मिलाया है। विक्रम वेद्या के रीमेक में अभिनेता ऋतिक रोशन एक

दमदार किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

खबरों में यह कहा जा रहा है कि अभिनेता ऋतिक रोशन इसी साल गर्मी में यानी कि जून के महीने में वो अपनी फिल्म विक्रम वेद्या के हिंदी रीमेक के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। सूत्रों के हवाले से आई खबरों में ऐसा कहा जा रहा है कि ऋतिक रोशन विक्रम वेद्या के रीमेक को जून के महीने में शूटिंग करेंगे। जिसमें ऋ तिक एक गैंगस्टर का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

तो ऐसे में अभिनेता ऋ तिक रोशन ने भी अपने इस रोल के लिए तैयारी अभी से शुरू कर ली है। अभिनेता मई के महीने में वो किरदार के मुताबिक फिजिकल ट्रांसफॉरमेशन करने वाले हैं। जिसके लिए उन्होंने कमर भी कस ली है। ऋ तिक इन दिनों जमकर वर्कआउट और एक्सरसाइज कर रहे हैं।

फिल्म आरआरआर का धमाकेदार पोस्टर रिलीज

उगादी के मौके पर आरआरआर के निर्माता ने फिल्म का धांसू पोस्टर जारी किया है। सोशल मीडिया पर नया पोस्टर जारी करते हुए फैंस को नव विक्रम संवत की शुभकामनाएं दी। फिल्म के इस नए पोस्टर को साउथ के सुपरस्टार अभिनेता राम चरण राजू और एनटीआर जूनियर ने ट्विटर हैंडल पर शेयर किया है।

अभिनेता राम चरण ने ट्विटर पर पोस्टर शेयर कर लिखा, मैं सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं देता हूं।

वहीं अभिनेता जूनियर एनटीआर ने पोस्टर अपने ट्विटर

पर शेयर कर लिखा, आपको और आपके परिवार को नव वर्ष की शुभकामनाएं।

अजय देवगन ने भी फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, मैं उन सभी लोगों को शुभकामनाएं देता हूं, जो लोग आज के इस दिन गुड़ी पड़वा, बैशाखी और उगादि मना रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष : नैतिक-अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। मन कुछ असमान्यताओं का शिकार होगा।

वृषभ : असीम प्रतिभाओ के बावजूद भी हीन मन प्रगति में बाधक होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

मिथुन : काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। आपका मस्त-मौला मन व्यर्थ के कार्यों में समय जाया कर महत्वपूर्ण कार्य के प्रति लापरवाह होगा।

कर्क : ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुर बनेंगे।

सिंह : स्वाभिमानी मन व्यावहारिक जगत के साथ तालमेल बिठाने में असमर्थ होगा। कार्यक्षेत्र में अनवरत् ब्यस्तता रहेगी।

कन्या : बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं के समाधान में सक्षम होंगे। किसी नये क्षेत्र में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे।

तुला : भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन नीरसता लाएंगी। जीविका क्षेत्र में नये आयाम आपको उत्साहित करेंगे। माता का भरपूर स्नेह मिलेगा।

वृश्चिक : किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। मजबूत मनोबल के साथ कुछ साहसी कार्यों में हाथ डालेंगे। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव।

धनु : सगे-संबंधों में आलोचनात्मक रवैया छबि पर बुरा प्रभाव डालेगा। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। भौतिक आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

मकर : आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेंगी। शिक्षा-प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम हेतु केंद्रित होंगे। रोजगार क्षेत्र में प्रय सार्थक होगा।

कुंभ : अपने अंदर कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। हर स्थिति का बड़ा ही नम्रतापूर्वक समना कर अच्छे व्यक्ति तत्व के परिचायक बनें।

मीन : कोई व्यक्ति गत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। नये कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रय तीव्र होगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

बची हुई खिचड़ी से बनाएं जायकेदार कटलेट्स

अगर आपने बिना अंदाजे की खिचड़ी बनाई जो बच गई है और अगले दिन इसे खाने का दिल नहीं तो उसे फेंकने नहीं, बल्कि उससे तैयार करें जायकेदार कटलेट्स। जानिए इसकी रेसिपी।

सामग्री :

बची हुई खिचड़ी-2 कप, दही-1/3 कप, कॉर्न फ्लोर-2 बड़े चम्मच, प्याज-1 टुकड़ों में कटा हुआ, सूजी- 3 बड़े चम्मच, हरी मिर्च- 2 बारीक कटी हुई, धनिया पाउडर-1 बड़ा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर-1 बड़ा चम्मच, धनिया पत्ता- बारीक कटा, नमक-स्वादानुसार, तेल-1 कप

विधि :

बाउल में बची हुई खिचड़ी के साथ दही और सूजी मिलाएं।

अगर खिचड़ी बहुत गीली से तो हिसाब से सूजी मिक्स करें।

फिर इसमें प्याज, हरी मिर्च, कॉर्न फ्लोर, धनिया पाउडर, नमक, लाल मिर्च और धनिया की पत्ती डालकर मिक्स करें। और थोड़ी देर लगभग 10 मिनट के लिए ढककर रख दें जिससे सूजी अच्छी तरह फूल जाए। पैन में तेल गर्म करें।10 मिनट बाद मिश्रण से कटलेट्स तैयार करें। सुनहरा होने तक फ्राई करें और फिर हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ परोसें।

शब्द सामर्थ्य- 49

बाएं से दाएं
1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे
1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

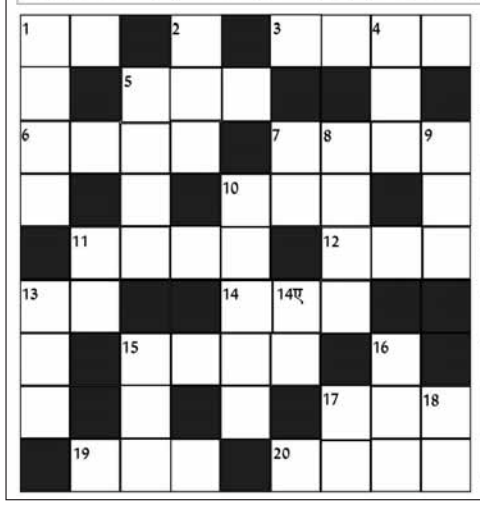

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 48 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्व			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		दीं		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सू-दोकू- 49

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.48का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	5	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5